ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-३८
दिनांक- मंगलवार, २४ मई, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.7 एवं 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.3 एवं दोपहर में 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 1.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 मई, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 मई, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले 1–2 दिनों तक उत्तर बिहार के सभी जिलों में हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। उसके बाद मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 1–2 दिनों तक वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यो में सर्तकता बरते। मक्का की कटनी, दौनी एवं दाने सुखाने का कार्य में सावधानी बरतें। मूंग की तैयार फसल की तुड़ाई वर्षा की सम्भावना को देखते हुए सावधानी पूर्वक करे।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे–राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम की नर्सरी 26 मई से लगा सकते हैं। र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800– 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवष्य कर लें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो सल्फर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान –2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 है।
- अगात मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई 27 मई तक कर सकते है। पिछात बोयी गयी मूंग एवं उरद् की फसल में पीला मोजैक रोग की निगराणी करें। यह विषाणु द्वारा उत्पन्न होने वाला विनाषकारी रोग है जो सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा फसल में प्रसारित होता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियॉ तथा फलियॉ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8 एस0 एल0 /0.3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक–थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। लत्तर वाली सब्जियों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।
- हल्दी की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 60 से 75 किलोग्राम, सल्फर 50 से 60 किलोग्राम, पोटास 100 से 120 किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30–35 ग्राम जिसमें 4 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30X20 से0मी0 तथा गहराई 5 से 6 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए 2.5 ग्राम दाईथेन एम0 45 + 0.1 प्रतिषत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, सल्फर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20–30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30X20 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिषत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 22.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी